

TW985.14  
4.15  
(M)

長物志校注

(明)文震亨 原著  
陈植 校注  
杨超伯 校订

# 长物志校注

俞振飞题



江苏科学技术出版社

# 长物志校注

〔明〕文震亨 原著

陈 植 校注

杨超伯 校订

---

出版：江苏科学技术出版社

发行：江苏省新华书店

印刷：江苏新华印刷厂

---

开本 850×1168 毫米 1/32 印张 14.625 插页 2 字数 330,000

1984 年 3 月第 1 版 1984 年 3 月第 1 次印刷

印数 1—7,500 册

---

书号：17196·024 定价：2.45 元

# 目 录

|          |         |
|----------|---------|
| 《长物志校注》序 | 陈从周(一)  |
| 长物志校注自序  | 陈植(二)   |
| 序        | 沈春泽(一〇) |
| 卷一 室庐    | (一八)    |
| 一、门      | (二〇)    |
| 二、阶      | (二二)    |
| 三、牕      | (二三)    |
| 四、栏干     | (二五)    |
| 五、照壁     | (二六)    |
| 六、堂      | (二七)    |
| 七、山斋     | (二八)    |
| 八、文室     | (二九)    |

|         |      |
|---------|------|
| 九、佛堂    | (二九) |
| 一〇、桥    | (三〇) |
| 一一、茶寮   | (三一) |
| 一二、琴室   | (三三) |
| 一三、浴室   | (三五) |
| 一四、街径庭除 | (三五) |
| 一五、楼阁   | (三六) |
| 一六、台    | (三五) |
| 一七、海论   | (三六) |
| 卷二 花木   | (四一) |
| 一、牡丹芍药  | (四三) |
| 二、玉兰    | (四四) |

|             |       |     |       |       |     |
|-------------|-------|-----|-------|-------|-----|
| 三、海棠        | ..... | (四) | 一九、松  | ..... | (六) |
| 四、山茶        | ..... | (四) | 二〇、木槿 | ..... | (六) |
| 五、桃         | ..... | (四) | 二一、桂  | ..... | (六) |
| 六、李         | ..... | (四) | 二二、柳  | ..... | (六) |
| 七、杏         | ..... | (四) | 二三、黄杨 | ..... | (六) |
| 八、梅         | ..... | (五) | 二四、槐榆 | ..... | (六) |
| 九、瑞香        | ..... | (五) | 二五、梧桐 | ..... | (七) |
| 一〇、蔷薇木香     | ..... | (五) | 二六、椿  | ..... | (七) |
| 一一、玫瑰       | ..... | (五) | 二七、银杏 | ..... | (七) |
| 一二、紫荆 棣棠    | ..... | (五) | 二八、乌白 | ..... | (七) |
| 一三、薇花       | ..... | (五) | 二九、竹  | ..... | (七) |
| 一四、石榴       | ..... | (五) | 三〇、菊  | ..... | (七) |
| 一五、芙蓉       | ..... | (六) | 三一、兰  | ..... | (八) |
| 一六、薝蔔       | ..... | (六) | 三二、葵花 | ..... | (八) |
| 一七、茉莉 素馨 夜合 | ..... | (六) | 三三、罌粟 | ..... | (八) |
| 一八、杜鹃       | ..... | (六) | 三四、萱花 | ..... | (八) |

|       |       |      |
|-------|-------|------|
| 三五、玉簪 | ..... | (八)  |
| 三六、金钱 | ..... | (八)  |
| 三七、藕花 | ..... | (九)  |
| 三八、水仙 | ..... | (九)  |
| 三九、凤仙 | ..... | (九)  |
| 四〇、秋色 | ..... | (九)  |
| 四一、芭蕉 | ..... | (九)  |
| 四二、瓶花 | ..... | (九)  |
| 四三、盆玩 | ..... | (九)  |
| 卷三 水石 | ..... | (一〇) |
| 一、广池  | ..... | (一〇) |
| 二、小池  | ..... | (一〇) |
| 三、瀑布  | ..... | (一〇) |
| 四、凿井  | ..... | (一〇) |
| 五、天泉  | ..... | (一〇) |

|            |       |      |
|------------|-------|------|
| 六、地泉       | ..... | (一〇) |
| 七、流水       | ..... | (一〇) |
| 八、丹泉       | ..... | (一〇) |
| 九、品石       | ..... | (一〇) |
| 一〇、灵璧石     | ..... | (一一) |
| 一一、英石      | ..... | (一一) |
| 一二、太湖石     | ..... | (一一) |
| 一三、尧峰石     | ..... | (一二) |
| 一四、昆山石     | ..... | (一二) |
| 一五、锦川将乐羊肚石 | ..... | (一二) |
| 一六、土玛瑙     | ..... | (一二) |
| 一七、大理石     | ..... | (一二) |
| 一八、永石      | ..... | (一二) |
| 卷四 禽鱼      | ..... | (一三) |
| 一、鹤        | ..... | (一三) |

|            |       |      |
|------------|-------|------|
| 二、瀟灑       | ····· | (二三) |
| 三、鸚鵡       | ····· | (二三) |
| 四、百舌 画眉 鸚鵡 | ····· | (二五) |
| 五、朱鱼       | ····· | (二六) |
| 六、鱼类       | ····· | (二七) |
| 七、蓝鱼 白鱼    | ····· | (三〇) |
| 八、鱼尾       | ····· | (三〇) |
| 九、观鱼       | ····· | (三一) |
| 一〇、吸水      | ····· | (三一) |
| 一一、水缸      | ····· | (三三) |
| 卷五 书画      | ····· | (三五) |
| 一、论书       | ····· | (三六) |
| 二、论画       | ····· | (三八) |
| 三、书画价      | ····· | (三九) |
| 四、古今优劣     | ····· | (四一) |

|           |       |      |
|-----------|-------|------|
| 五、粉本      | ····· | (四六) |
| 六、赏鉴      | ····· | (四七) |
| 七、绢素      | ····· | (四八) |
| 八、御府书画    | ····· | (四九) |
| 九、院画      | ····· | (五〇) |
| 一〇、单条     | ····· | (五一) |
| 一一、名家     | ····· | (五二) |
| 一二、宋绣 宋刻丝 | ····· | (五四) |
| 一三、装潢     | ····· | (七五) |
| 一四、法糊     | ····· | (七六) |
| 一五、装褫定式   | ····· | (七七) |
| 一六、標軸     | ····· | (七九) |
| 一七、裱锦     | ····· | (八一) |
| 一八、藏画     | ····· | (八三) |
| 一九、小画匣    | ····· | (八四) |
| 二〇、卷画     | ····· | (八四) |

|         |           |       |
|---------|-----------|-------|
| 二一、法帖   | · · · · · | (一八五) |
| 二二、南北纸墨 | · · · · · | (二六)  |
| 二三、古今帖辨 | · · · · · | (二八)  |
| 二四、装帖   | · · · · · | (二八)  |
| 二五、宋板   | · · · · · | (二九)  |
| 二六、悬画月令 | · · · · · | (三一)  |
| 卷六 几榻   | · · · · · | (三五)  |
| 一、榻     | · · · · · | (三六)  |
| 二、短榻    | · · · · · | (三八)  |
| 三、几     | · · · · · | (三九)  |
| 四、禅椅    | · · · · · | (四〇)  |
| 五、天然几   | · · · · · | (四一)  |
| 六、书桌    | · · · · · | (四二)  |
| 七、壁桌    | · · · · · | (四三)  |
| 八、方桌    | · · · · · | (四三)  |

|         |           |      |
|---------|-----------|------|
| 九、台几    | · · · · · | (三四) |
| 一〇、椅    | · · · · · | (三五) |
| 一一、杌    | · · · · · | (三六) |
| 一二、凳    | · · · · · | (三六) |
| 一三、交床   | · · · · · | (三七) |
| 一四、榻    | · · · · · | (三八) |
| 一五、架    | · · · · · | (四〇) |
| 一六、佛厨佛桌 | · · · · · | (四〇) |
| 一七、牀    | · · · · · | (四一) |
| 一八、箱    | · · · · · | (四二) |
| 一九、屏    | · · · · · | (四三) |
| 二〇、脚凳   | · · · · · | (四四) |
| 卷七 器具   | · · · · · | (四六) |
| 一、香罐    | · · · · · | (四七) |
| 二、香合    | · · · · · | (四九) |



|        |       |       |
|--------|-------|-------|
| 三、隔火   | ..... | (二五一) |
| 四、匙筴   | ..... | (二五二) |
| 五、筴瓶   | ..... | (二五三) |
| 六、袖罐   | ..... | (二五三) |
| 七、手罐   | ..... | (二五四) |
| 八、香筒   | ..... | (二五五) |
| 九、笔格   | ..... | (二五六) |
| 一〇、笔牀  | ..... | (二五七) |
| 一一、笔屏  | ..... | (二五七) |
| 一二、笔筒  | ..... | (二五八) |
| 一三、笔船  | ..... | (二五九) |
| 一四、笔洗  | ..... | (二五九) |
| 一五、笔觚  | ..... | (二六一) |
| 一六、水中丞 | ..... | (二六一) |
| 一七、水注  | ..... | (二六三) |
| 一八、糊斗  | ..... | (二六四) |

|        |       |       |
|--------|-------|-------|
| 一九、蜡斗  | ..... | (二六六) |
| 二〇、镇纸  | ..... | (二六六) |
| 二一、压尺  | ..... | (二六七) |
| 二二、秘阁  | ..... | (二六八) |
| 二三、贝光  | ..... | (二六八) |
| 二四、裁刀  | ..... | (二六九) |
| 二五、剪刀  | ..... | (二七〇) |
| 二六、书灯  | ..... | (二七一) |
| 二七、灯   | ..... | (二七二) |
| 二八、镜   | ..... | (二七四) |
| 二九、钩   | ..... | (二七五) |
| 三〇、束腰  | ..... | (二七六) |
| 三一、禅灯  | ..... | (二七六) |
| 三二、香椽盘 | ..... | (二七七) |
| 三三、如意  | ..... | (二七九) |
| 三四、麈   | ..... | (二七九) |

|        |       |       |
|--------|-------|-------|
| 三五、钱   | ..... | (二八〇) |
| 三六、瓢   | ..... | (二八一) |
| 三七、钵   | ..... | (二八二) |
| 三八、花餅  | ..... | (二八三) |
| 三九、钟磬  | ..... | (二八四) |
| 四〇、杖   | ..... | (二八五) |
| 四一、坐墩  | ..... | (二八六) |
| 四二、坐团  | ..... | (二八七) |
| 四三、数珠  | ..... | (二八八) |
| 四四、番经  | ..... | (二九〇) |
| 四五、扇扇坠 | ..... | (二九一) |
| 四六、枕   | ..... | (二九四) |
| 四七、簟   | ..... | (二九五) |
| 四八、琴   | ..... | (二九六) |
| 四九、琴台  | ..... | (二九八) |
| 五〇、研   | ..... | (三〇〇) |

|             |       |       |
|-------------|-------|-------|
| 五一、笔        | ..... | (三〇三) |
| 五二、墨        | ..... | (三〇五) |
| 五三、纸        | ..... | (三〇七) |
| 五四、剑        | ..... | (三〇九) |
| 五五、印章       | ..... | (三一〇) |
| 五六、文具       | ..... | (三一二) |
| 五七、梳具       | ..... | (三二五) |
| 五八、海论铜玉雕刻窑器 | ..... | (三二六) |
| 卷八 衣饰       | ..... | (三三五) |
| 一、道服        | ..... | (三三八) |
| 二、禅衣        | ..... | (三三九) |
| 三、被         | ..... | (三四〇) |
| 四、褥         | ..... | (三三一) |
| 五、绒单        | ..... | (三三二) |
| 六、帐         | ..... | (三三三) |

|        |       |       |
|--------|-------|-------|
| 七、冠    | ..... | (三三四) |
| 八、巾    | ..... | (三三六) |
| 九、笠    | ..... | (三三七) |
| 一〇、履   | ..... | (三三七) |
| 卷九 舟车  | ..... | (三三九) |
| 一、巾车   | ..... | (三四二) |
| 二、篮輦   | ..... | (三四三) |
| 三、舟    | ..... | (三四四) |
| 四、小船   | ..... | (三四五) |
| 卷一〇 位置 | ..... | (三四七) |
| 一、坐儿   | ..... | (三四八) |
| 二、坐具   | ..... | (三四九) |
| 三、椅榻屏架 | ..... | (三五〇) |
| 四、悬画   | ..... | (三五一) |

|        |       |       |
|--------|-------|-------|
| 五、置罐   | ..... | (三五二) |
| 六、置瓶   | ..... | (三五二) |
| 七、小室   | ..... | (三五三) |
| 八、卧室   | ..... | (三五四) |
| 九、亭榭   | ..... | (三五五) |
| 一〇、敞室  | ..... | (三五六) |
| 一一、佛室  | ..... | (三五七) |
| 卷一一 蔬果 | ..... | (三六〇) |
| 一、樱桃   | ..... | (三六二) |
| 二、桃李梅杏 | ..... | (三六四) |
| 三、橘橙   | ..... | (三六六) |
| 四、柑    | ..... | (三六九) |
| 五、香橼   | ..... | (三七〇) |
| 六、枇杷   | ..... | (三七二) |
| 七、杨梅   | ..... | (三七二) |

|        |           |       |
|--------|-----------|-------|
| 八、葡萄   | · · · · · | (三七三) |
| 九、荔枝   | · · · · · | (三七三) |
| 一〇、枣   | · · · · · | (三七五) |
| 一一、生梨  | · · · · · | (三七六) |
| 一二、栗   | · · · · · | (三七七) |
| 一三、银杏  | · · · · · | (三七八) |
| 一四、柿   | · · · · · | (三七九) |
| 一五、花红  | · · · · · | (三八〇) |
| 一六、菱   | · · · · · | (三八一) |
| 一七、芡   | · · · · · | (三八二) |
| 一八、西瓜  | · · · · · | (三八三) |
| 一九、五加皮 | · · · · · | (三八三) |
| 二〇、白扁豆 | · · · · · | (三八四) |
| 二一、菌   | · · · · · | (三八五) |
| 二二、瓠   | · · · · · | (三八六) |
| 二三、茄子  | · · · · · | (三八七) |

|         |           |       |
|---------|-----------|-------|
| 二四、芋    | · · · · · | (三八八) |
| 二五、茭白   | · · · · · | (三八九) |
| 二六、山药   | · · · · · | (三九〇) |
| 二七、蘿蔔茺菁 | · · · · · | (三九一) |
| 卷一一 香茗  | · · · · · | (三九四) |
| 一、伽南香   | · · · · · | (三九六) |
| 二、龙涎香   | · · · · · | (三九八) |
| 三、沉香    | · · · · · | (三九九) |
| 四、片速香   | · · · · · | (四〇〇) |
| 五、唵叭香   | · · · · · | (四〇〇) |
| 六、角香    | · · · · · | (四〇一) |
| 七、甜香    | · · · · · | (四〇一) |
| 八、黄黑香饼  | · · · · · | (四〇二) |
| 九、安息香   | · · · · · | (四〇三) |
| 一〇、暖阁芸香 | · · · · · | (四〇四) |

|         |       |       |
|---------|-------|-------|
| 一一、苍术   | ····· | (四〇五) |
| 一二、茶品   | ····· | (四〇五) |
| 一三、虎丘天池 | ····· | (四〇九) |
| 一四、芥    | ····· | (四一〇) |
| 一五、六安   | ····· | (四一二) |
| 一六、松萝   | ····· | (四一三) |
| 一七、龙井天目 | ····· | (四一四) |
| 一八、洗茶   | ····· | (四一五) |
| 一九、候汤   | ····· | (四一五) |
| 二〇、涤器   | ····· | (四一六) |
| 二一、茶洗   | ····· | (四一七) |

|                  |       |          |
|------------------|-------|----------|
| 二二、茶罐汤瓶          | ····· | (四一七)    |
| 二三、茶壶茶盏          | ····· | (四一八)    |
| 二四、择炭            | ····· | (四二二)    |
| 跋                | ····· | 伍绍棠(四二三) |
| 附一：文震亨生平事迹有关资料   | ····· | (四二五)    |
| 附二：明末文震亨氏的造园学说   | ····· | 陈植(四二九)  |
| 附三：《长物志校注》引用参考书目 | ····· | (四三二)    |

## 《长物志校注》序

余既为陈养材（植）教授校订其宏著《园冶注释》，复出《长物志校注》以示余。余恭奉其书，肃然起敬，喟然而叹曰：前辈治学之谨严，用力之勤笃，足为楷模。先生六十年来，致力于我国造园事业，为海内所宗仰。以馀绪注文氏此书，其引证之渊博，考订之详实，非流辈所能望及者。盖文氏之志长物，范围极广，自园林兴建，旁及花草树木，鸟兽虫鱼，金石书画，服饰器皿，识别名物，通彻雅俗。以其家有名园，日涉成趣，微言托意，无不出自性灵，非耳食者所能知。故注释此书之功，诚有大于计氏《园冶》者。先生以耄耋之年，穷年兀兀，如郾道元之注《水经》，刘孝标之注《世说》，映带原文，增其隽永，有助于后学者，非造园一端而已。余交先生垂三十年，谊兼师友，常侍几席，观其于艰难困顿之时，胸怀坦荡，屏世事而寄于丛残卷帙之中，人所难堪者，而先生恬然安之，毅然任之。今日得见此书之付梓，涓滴之思，聊记其始末。忝在后学，敢贡芜辞，诚不能表寸心于万一也。

一九八〇年梅雨江南陈从周识于上海同济大学建筑系

## 长物志校注自序

一、在祖国伟大的社会主义建设中，城市绿化和风景建设等造园事业，都占有一定的重要地位。解放后，全国各地的园林名胜，在党的领导下，次第地加以修整，恢复了它们的青春面貌，为广大人民的幸福生活，创造了良好条件。但是造园是一种综合性科学和艺术，在我国具有悠久的历史 and 较高的成就，如何发掘和整理这份祖国的宝贵遗产，去粗留精，为社会主义建设服务，不论对造园科学或技术工作者，都具有十分重要的意义。

我国古代有关造园的文獻，片段地散见于诸家著述之中，非常丰富，言之较详的如：明末王象晋的《群芳谱》（花部、木部、卉部），高濂的《遵生八笺》（《燕闲清赏笺》——《瓶花》及《四时花纪》、《起居安乐笺》——《序古名论》、《居处建置》、《高子花榭论评》、《草花三品说》、《盆景说》），计成的《园冶》，林有麟的《素园石谱》，陆绍珩的《剑扫》（共分十二部，以景韵两部与造园关系较深），孙知伯（绍吴散人）的《培花奥诀录》（别墅、园花），王世懋的《学圃杂疏》（花、果、竹三疏）及清初陈淏子的《花镜》，李渔的《一家言》（居室、器玩两部），高士奇的《北墅抱瓮录》，钱泳的《履园丛话》（园林部分），皆为一代名著。其

中就造园问题作综合及系统的叙述的，尤以《园冶》、《长物志》、《花镜》等三种为著。《长物志》虽叙述较略，然约而能赅，涉及范围之广，在古代著述中，尤为突出。《长物志》作者文震亨出生于官僚地主家庭，以所谓「簪缨世族」，「冠冕吴趋」的贵介子弟，生当明王朝摇摇欲坠之时，逃避现实，纵情于林泉竹石，谋一己的享受，这些封建社会个人主义的腐朽思想，先后见之于书中若干部分，在当时所谓「士大夫」阶层，由于阶级、时代的局限，以致这种思想形成一种风尚，迭见于各家著述之中，不仅文氏一人亦然。但《长物志》关于当时我国造园艺术和风格的叙述，自有不少可取之处。这种艺术和风格，在目前社会主义造园事业伟大建设中，同样适用，并已试之而有效。这份祖国造园科学及其艺术的宝贵遗产，包括造园著述和造园作品两个方面。在各地名园修整工作中，其风格和史料，且复引起各方专家的注意与重视，分别进行调查研究。（如江苏的苏州及扬州等各处园林，已由专家分别加以研究）至于造园文献的整理，对我国造园科学和艺术的推进，与造园作品的整理研究，占同等重要的地位，而有待于造园界同志的共同努力。《长物志》的文体虽不同于《园冶》的明代时文而必须加以注释，但因版本不同，纰缪互见，其内容包括范围较广，引用典故较多，欲求读者便于理解，故校注工作，亦属必要。为我造园界同志再介绍一部名著起见，特于《园冶》注释工竣之余，更作《长物志》校注的尝



试。自然，我只能尽力按书之原意予以注释，至于原著在思想内容上的某些错误或不科学之处，则有待于诸位专家和广大读者加以分析和评论。

二、文震亨，字启美，长洲人（今苏州，书中所称「雁门」，乃文氏郡望。震亨之侄，文伯著有《雁门家集》，见文含著《文氏族谱续集》，生于明·万历十三年（公元一五八五年），至南明·弘光元年，即清·顺治二年（公元一六四五年），因南京沦陷，忧愤绝食殉国，享年六十一岁。于天启中，以恩贡出仕中书舍人，诗文书画，均能得其家传。其曾祖「徵明」（以字行，更字「徵仲」，号「衡山」），以诗文书画著称；祖「彭」（字「寿承」），父「元发」（字「元悱」），俱为名书家；兄「震孟」（字「文起」），天启二年（公元一六二二年）状元及第。著述之可考者，据民国·张一麀主编之《吴县志·艺文志》记载，除《长物志》之外，尚有《琴谱》、《开读传信》、《载贄》、《清瑶外传》、《武夷外语》、《金门录》、《文生小草》、《稜陵竹枝歌》、《香草诗选》、《岱宗拾遗》、《新集》、《香草垞前后志》、《怡老园记》等十余种。造园作品，有「香草垞」，乃就冯氏废园而改建者，其中有「婣娟堂」、「绣袂堂」、「笼鹅阁」、「斜月廊」、「众香廊」、「啸台」、「玉局斋」、「乔柯」、「奇石」、「方池」、「曲沼」、「鹤栖」、「鹿柴」、「鱼床」、「燕幕」等景物，故论文氏专长，对于文学、书画、音乐、造园等，均有素养，因之，《长物志》的撰述，是在